केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 278 गुरूवार 2 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

पूर्व सांसद धनंजय सिंह बरेली जेल से रिहा

बरेली (आभा)। यूपी के बाहुबली और पूर्व सांसद धनंजय सिंह बरेली जेल से रिहा हो गए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तीन दिन पहले धनंजय की जमानत मंजूर की थी। जेल से रिहा होने के बाद धनंजय सिंह ने कहा कि उन पर फर्जी मुकदमा कराया गया था। जेल से रिहा होने के बाद अब वह जौनपुर संसदीय सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं अपनी पत्नी श्रीकला रेड्डी के चुनाव प्रचार में जुटेंगे।

धनंजय सिंह को चार दिन पहले ही जौनपुर जेल से बरेली जेल में शिफ्ट किया गया था। धनंजय की रिहाई के वक्त जेल पर उनके भाई और बडी संख्या में समर्थक पहुंचे थे। करीब एक दर्जन से अधिक गाड़ियों के काफिले के साथ धनंजय सिंह बरेली जेल से जौनपुर के लिए रवाना हुए। इसके पहले धनंजय सिंह ने मीडिया से कहा कि यह मुकदमा फर्जी था जो 2020 में मुझ पर कायम किया गया था। उस मामले में न्यायालय ने मुझे जमानत दी है। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी बसपा से चुनाव लड़ रही हैं। यहां से निकलने के बाद सीधे अपने क्षेत्र जाऊंगा। धनंजय ने मीडिया को धन्यवाद किया और कहा कि मीडिया ने सकारात्मक ढंग से बातों को समाज के सामने रखने का काम किया है। इस दौरान विधायक अभय सिंह के बारे में किए गए सवाल पर धनंजय थोड़ा नाराज होते दिखे। उन्होंने कहा कि अब ये समय बताएगा...आप लोग अपराधियों के बारे में बात मत करिए।

चुनाव आयोग द्वारा 10 दिन बाद आंकड़ा जारी करने पर विपक्ष ने उठाये सवाल

नई दिल्ली आभा)। आम चुनावों के फेज 1 के मतदान के 10 दिन से ज्यादा और चरण 2 के मतदान के चार दिन बाद इलेक्शन कमीशन ने 30 अप्रैल को दो दौर का मतदान डेटा जारी किया। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 66.14: और फेज 2 में 66.7: मतदान हुआ है। वोटिंग के डेटा में हुई देरी को लेकर लगातार विपक्षी दल सवाल खड़े कर रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आंनद दुबे ने कहा कि चुनाव आयोग ने एक प्रेस नोट जारी किया जिसमें कहा गया कि चुनाव के पहले और दूसरे चरण में 66: मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को वोटिंग का डेटा जारी करने में करीब 10 दिन का समय लग गया। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के पहले और दूसरे चरण के बाद मीडिया ने कहा कि 60: मतदान हुआ था, अब 66: है। यह सब क्या हो रहा है।

सीपीआईएम के नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि भाजपा के केंद्र में सत्ता संभालने से पहले यह डेटा आसानी से उपलब्ध हो जाता था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि यह बहुत परेशान करने वाला है। नतीजों में हेरफेर पर गंभीर आशंकाएं पैदा करता है। ईसीआई ने पहले दो चरणों के अंतिम मतदान आंकड़ों का खुलासा नहीं किया है। केवल अनुमानित मतदान प्रतिशत ही सामने रखे गए हैं। किसी संसदीय क्षेत्र में रजिस्टर कुल मतदाता ईसीआई वेबसाइट पर नहीं हैं।

सुप्रिया सुले ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि चुनावी प्रक्रिया की अखंडता और लोकतंत्र की नींव सवालों के घेरे में है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग के लिए अनुचित दबाव झेलने, अपने अधिकार का दावा करने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इन चुनावों में निष्पक्षता और जवाबदेही के सिद्धांतों को बनाए रखने का समय है। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान को दस दिन से अधिक हो गए हैं, फिर भी चुनाव आयोग आधिकारिक तौर पर अंतिम मतदान के आंकड़ों का खुलासा करने में विफल रहा है। इसी तरह 26 अप्रैल को दूसरे चरण के लिए भी चुनाव आयोग ने अभी तक अंतिम आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

भाजपा पर आचार संहिता का उल्लंघन करने और चुनाव आयोग पर कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव चिंताजनक और स्पष्ट रूप से लापरवाही के साथ सामने आ रहे हैं, जबकि हर दिन भाजपा के नेताओं द्वारा आचार संहिता का मजाक बनाया जाता है। चुनाव आयोग द्वारा नियंत्रित किए बिना, भाजपा समाज के विभिन्न वर्गों के खिलाफ खुलेआम अभूतपूर्व घृणास्पद बयानबाजी कर रही है।

एक नजर

कैसरगंज पर टिकी हैं निगाहें

नई दिल्ली (आभा)। भीषण तपिश के साथ यूपी की कैसरगंज लोकसभा का सियासी पारा भी दिन–ब–दिन चढ़ता जा रहा है। गोंडा जिले में दो लोकसभा सीटों के लिए जारी नामांकन प्रक्रिया के बीच कैसरगंज सीट पर उम्मीदवारों को लेकर हर गली–नुक्कड़ पर चर्चाओं का बाजार गर्म है। दलों का असमंजस कहें या रणनीति, नामांकन में 48 घंटे शेष होने के बाद भी कैसरगंज सीट का अखाड़ा सूना दिख रहा। इससे दावेदारों की भी धुकधुकी बढ़ी है। हालांकि, गोंडा लोकसभा क्षेत्र से सपा–भाजपा के उम्मीदवार ने अपना पर्चा दाखिल कर चुके हैं। देश–विदेश में चर्चा का विषय बनी कैसरगंज सीट से भाजपा, सपा या बसपा ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

दो बाइकों की भिड़न्त में एक घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के बस्ती महुली मार्ग पर भुवनी पाकरडाड़ चौराह पर दो बाईको की आपसी भिडंत में एक अधेड़ की हालत गंभीर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दयाराम चौधरी उम्र 58 वर्ष लोक सभा चुनाव का नामांकन के बाद अपने साथी समर्थकों के साथ वापस घर आ रहे थे, जैसे ही भुवनी चौराहे के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही अज्ञात बाइक से टक्कर हो गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों द्वारा एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बस्ती भिजवाया गया।

वित्त विहीन स्कूलों के शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया शिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुद्धवार को मजदूर दिवस के मौके पर माध्यमिक शिक्षा परिषद के वित्तविहीन स्कूल के शिक्षको ने सिर पर काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया।

वित्तविहीन शिक्षक नेता विनय प्रभाकर त्रिपाठी ने कहा कि आज पूरे प्रदेश के वित्त विहीन स्कूलों मे शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षको की आर्थिक दसा अत्यंत दयनीय है। इन शिक्षको को प्रबंध तंत्र द्वारा कोई सम्मानजनक परितोष नहीं दिया जाता जिससे वित्त विहीन शिक्षक समाज मे सम्मान के साथ जी सके हालांकि माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की लगभग 80: शिक्षण व्यवस्था मुझे जैसे वित्तविहीन शिक्षकों पर निर्भर करती। वित्तविहीन शिक्षक समाज पर वर्तमान सरकार ने भी सौतेला व्यवहार किया पूर्व की अखिलेश सरकार ने संकेत मात्र मांदेय देकर एक किरण दिखाया था। तत्कालीन समय में जो लोग वित्तविहीन शिक्षकों की राजनीति करने आए वे चुनकर विधान परिषद पहुंचे परंतु वे सब शिक्षकों के हितों से धोखा करके सत्ता की गोद में जा बैठे।

जल सेवा की पहल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आम जनमानस को कड़ाके की धूप से निजात हेतु पानी पीने के लिए चित्रांश क्लब महिला विंग बस्ती द्वारा जल सेवा की एक अनूठी पहल, कंपनी बाग बस्ती में निशुल्क प्याऊ का शुभारंभ करके किया गया। जिसमें महिला विंग की संरक्षिका श्रीमती संध्या दीक्षित, शीला पाठक, श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव, संयोजिका अर्चना श्रीवास्तवजी, जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

बसपा प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र ने सादगी के साथ किया नामांकन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र ने बुधवार को सादगी के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में नामांकन किया।

नामांकन के बाद दयाशंकर मिश्र ने कहा कि वो इस चुनाव में धनपतियों के आगे झुकने वाले नहीं है और वो बस्ती के विकास को हमेशा तत्पर रहेंगे । कहा कि नामांकन के बाद वे मतदाताओं के बीच बदलाव के लिये सघन सम्पर्क करेंगे। इस चुनाव में बस्ती के जमीनी मुद्दों को ले कर जनता के बीच जाएँगे जल्द ही उनका बस्ती लोकसभा के लिए अगले 5 साल का रोडमैप लोगों के बीच होगा इसके लिए लगातार लोगों का सुझाव लिया जा रहा है। नामांकन के दौरान बसपा प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र के साथ मण्डल कोआर्डिनेटर उदयभान, बसपा जिलाध्यक्ष जय हिन्द गौतम, राम सूरत चौधरी, कल्पनाथ बाबू, सीताराम शास्त्री के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

लालगंज मेला सम्पन्न, खोया पाया शिविर में बिछड़ों को मिलाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उद्दालक मुनि की तपोभूमि लालगंज स्थित कुंआनों, मनवर संगम तट पर लगने वाले विशाल मेले में समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा अध्यक्ष जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में खोया पाया शिविर का आयोजन किया गया। पांच दिनों तक चले शिविर में 100 से अधिक बिछडों को उनके परिजनों से मिलाया गया।

शिविर का समापन करते हुये डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि कुंआनों के संगम लालगंज का मेला ऐतिहासिक है। यहां मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने विश्राम किया था। जनपद के विभिन्न मेलों में समाजसेवी जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा पिछले 32 वर्षो से खोया पाया शिविर का लगाया जाना सेवा का बडा उदाहरण है। कहा कि मेले में बिछड़ों को अपनों से मिलाना पुनीत कार्य है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता कुदरहा के ब्लाक प्रमुख अनिल दूबे और भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ब्रम्हदेव यादव 'देवा' ने कहा कि मेले में खोया पाया शिविर का संचालन बड़ी समाजसेवा है. पांच दिनों तक चलने वाला शिविर निश्चित रूप से बेहद उपयोगी रहता है। पूर्व प्रमुख गोस्वामी कुमकुम भारती ने कहा कि जब से यहां शिविर शुरू हुआ है मेले में आने वाले लोगों को विशेष सुविधा हुई है।

अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये आयोजक जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि समिति की ओर से प्रति वर्ष मेले में शिविर लगाकर खोये बच्चों को उनके परिजनों से मिलवाया जाता है।

खोया पाया शिविर के कार्यक्रम में सिद्धार्थ शंकर मिश्र, कौशल कुमार पाण्डेय, कृष्णदेव भारती, राजन पाल, अनिल कुमार मौर्य, रामकेश चौधरी, सन्तोष पाल, रामअधार पाल, अमित चौबे, डा. राम प्रताप शुक्ल, विपिन श्रीवास्तव, रविशंकर शुक्ल, हेमन्त मिश्र, रविचन्द, विनोद पाण्डेय, बब्लू दूबे, विजय मिश्रा, बब्लू गुप्ता, शिवाजी गुप्ता, प्रज्ञाराम चौधरी, आशुतोष कुमार सिंह, डा. आर.डी. गोस्वामी, राजेश यादव, विपिन पाल, गोपेश पाल, अमित कुमार शुक्ल, नन्हें पाल, अमित सिंह 'छोटू' सच्चिदानन्द यादव, इन्द्र कुमार चौधरी के साथ ही अनेक लोगों ने योगदान दिया।

मजदूर दिवस पर याद किये गये शिकागो के अमर शहीदः मजबूर होता जा रहा है मजदूर–अशर्फीलाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उ.प्र. बिजली कर्मचारी संघ एटक द्वारा हाईडिल कालोनी स्थित यूनियन भवन पर अध्यक्ष का. अशर्फीलाल के संयोजन में गोष्ठी का आयोजन किया गया। शहीद वेदी बनाकर शिकागो के अमर शहीदों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि भारत सहित विश्व स्तर पर मजदूर लगातार मजबूर होता जा रहा है। का. अशर्फीलाल ने कहा कि काम के आठ घंटे तय किए जाने को लेकर अमेरिका से जो संघर्ष शुरू हुआ, वह सिलसिला अभी तक जारी है। कहा कि जिस दिन देश के मजदूर शिकागो के अमर शहीदों के बलिदान को आत्मसात कर लेंगे दुनियां से मजदूरों पर होने वाले जुल्म, अत्याचार समाप्त होने लगेगा।

सीटू नेता का. केके तिवारी ने दुनियां में आ रहे बदलाव, पूंजीपतियों द्वारा शोषण, श्रमिक कानूनों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि भारत के श्रमिक सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में एकजुटता से ही श्रमिकों की समस्या का समुचित हल हो सकेगा। जिला ट्रेड यूनियन कौसिंल के महामंत्री का. के.के. श्रीवास्तव ने कहा कि कहा कि अपने अधिकारों को हासिल करने के लिये दुनियां भर के श्रमिकों के संघर्ष बलिदान का इतिहास सैकड़ों वर्ष पुराना है। इसके बावजूद मजदूर की स्थिति में कोई सकारात्मक बदलाव नहीं हुआ। कोरोना काल के बाद भारतीय खेतिहर, दिहाड़ी मजदूरों की स्थिति और दयनीय हो गई। कहा कि पूंजीवाद श्रमिकों के अधिकारों का लगातार दमन कर रहा है और भारत सहित अनेक देशों के सत्ता प्रतिष्ठान पूंजीपतियों के प्रवक्ता हो गये है। का. रामलौट ने कहा कि नये–नये नियम कानून बनाकर उनके अधिकारों का दमन किया जा रहा है। ऐसे हालात में श्रमिकों को अपने अधिकार हासिल करने के लिये संघर्ष की धार तेज करनी होगी।

गोष्ठी में मजहर आजाद, रमेश, सूर्य प्रकाश, राम दयाल, गौरीशंकर, राधापति पाठक ने कहा कि जब तक श्रमिक वर्ग आपस में बिखरा रहेगा। समस्याओं का हल निकलना संभव नहीं है। सरकार और मालिकानों की भूमिका श्रमिकों के प्रति संकटकाल में संवेदनहीन ही बनी रही। नए श्रम कानूनों ने श्रमिकों का संकट बढ़ा दिया है। संविदा की नौकरियां युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ है। इसे बंद किया जाना चाहिए। मुख्य रूप से मेहीलाल चौधरी, रामनयन, धर्मेन्द्र यादव, अनिल चौधरी, विजय शुक्ला, प्रेम प्रकाश वरूण मो. अली, खेसाल अहमद के साथ ही विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के नामांकन में उमड़े लोग

- अब फतवे और फरमान से नही, बाबा साहब के संविधान से चलता है देश - अनुराग ठाकुर
- विपक्ष किसी भी सीट पर लड़ाई में नहीं है -ओमप्रकाश राजभर
- कोई परिवारवादी ताकत बस्ती को विकसित होने से रोक नहीं पाएगा - हरीश द्विवेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी सांसद हरीश द्विवेदी ने बुधवार को अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह की उपस्थिति में भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी का नामांकन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यहाँ लोकसभा चुनाव के छठवें चरण में आगामी 25 मई को मतदान होना है।

भाजपा प्रत्याशी सांसद हरीश द्विवेदी के नामांकन से पूर्व कप्तानगंज स्थित भाजपा के चुनाव कार्यालय प्रांगण में आयोजित जनसभा में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कुछ लोग जिहाद की बात कर रहे यह देश किसी फतवे और फरमान से नही बल्कि बाबा साहब के संविधान से चलता है। कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के मूलमंत्र सबका साथ सबका विकास से चलता है। फतवे और जिहाद के दिन चले गए है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली पर लोधी, गौरी मुगलों का शासन नहीं भारत की चुनी हुई एक लोकतांत्रिक सरकार द्वारा शासन होता है। पिछले 10 वर्षों में 10 करोड़ जनता को गरीबी रेखा से बाहर निकाला, 10 करोड़ पक्के मकान बनवाये। 1 करोड़ बहाने लखपति दीदी बनी अब 3 करोड़ बहने और बनेंगी। तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था भारत बनेगा।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बस्ती में आयोजित नामांकन सभा की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन के सभी दलों के लोग लगातार जनता के बीच में जा रहे है। कहा कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने जा रहे हैं। जहां कहीं भी थोड़ी सी कसर रहेगी वहां हमारी पार्टी कंधा लगाकर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को जीत दिलाएगी। गठबंधन के सभी पार्टियों से अपील करते हुए कहा कि सभी थोड़ा–थोड़ा जोर लगाएंगे तो भाजपा के सभी प्रत्याशी चुनाव जीत जाएंगे चुटकी लेते हुए कहा कि विपक्षी दल अपनी लड़ाई में ही नहीं है। बिना मतलब लोग चिल्ला रहे है।

भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि बस्ती की सम्मानित जनता इंडी गठबंधन और बसपा के प्रत्याशियों की करतूत से वाकिफ हैं। जनता ने इन लोगों का सूपड़ा साफ करने का मन बना लिया है। जिस प्रकार से जनता का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। उससे यह प्रतीत हो रहा है कि अब बस्ती को विकसित होने से कोई परिवारवादी ताकत नहीं रोक पाएगा। कार्यकर्ताओं और समर्थकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यही जोश और उत्साह आगामी 25 मई तक बनाए रखने की आवश्यकता है। जिससे इस सीट पर पार्टी को ऐतिहासिक जीत हासिल हो सके। लोकसभा चुनाव प्रभारी सेतवान राय, लोकसभा संयोजक केडी चौधरी, जिला प्रभारी प्रदेश प्रवक्ता डॉ. समीर सिंह, एमएलसी सुभाष यदुवंश, विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, विधायक भूपेश चौबे, पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी तत्स जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने किया।

नामांकन में मुख्य रूप से पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी, सुशील सिंह, यशकांत सिंह, पवन कसौधन, महेश शुक्ल, क्षेत्रीय मंत्री राजेश पाल, विनोद राजभर, प्रमोद पांडेय, अनूप खरे, प्रमोद कुमार चौधरी गिल्लम, लक्ष्मीकांत पांडेय पप्पू, अशोक गुप्ता, हरीश सिंह, अरविंद पाल, अंकुर वर्मा, नितेश शर्मा, अमृत वर्मा, अमित शुक्ल, सत्येंद्र शुक्ल, आनंद सिंह कलहंस, कुँवर ध्रुव नारायण सिंह, दुष्यंत विक्रम सिंह, पुष्करदित्य सिंह, अश्वनी उपाध्याय, जगदीश शुक्ल, राकेश श्रीवास्तव, दिवाकर मिश्र, गोपेश्वर तिवारी, रामचरन चौधरी, सत्येंद्र सिंह भोलू, महेश सोनकर, सुमन सिंह, अखंड प्रताप सिंह, आलोक पांडेय, अभिनव उपाध्याय, मनमोहन श्रीवास्तव काजू, मगन शुक्ल, राकेश शर्मा, आशीष शुक्ल, राजन मिश्र, सुनील सिंह, वरुण पांडेय, रिंकू दूबे, परमेश्वर शुक्ल पप्पू, आदित्य श्रीवास्तव, दिलीप पांडेय, आलम चौधरी, अमित गुप्ता, अभिषेक राजभर, विजय पांडेय राजू, मनोज सिंह, अभिषेक पटेल, राजकुमार शुक्ल, वैभव पांडेय, राकेश उपाध्याय, रोली सिंह, ममता सिंह, संध्या दीक्षित, सुखराम गौड़, मनोज ठाकुर, रामनेवास गिरी, सुजीत सोनी, अतुल यादव, श्याम नाथ चौधरी, अरविंद चौरसिया, ओमप्रकाश ठाकुर, नीरज प्रजापति, कुंदन लाल वर्मा, ताड़क जायसवाल, धर्मेंद्र सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी, समर्थक, सहयोगी दलों के जिलाध्यक्ष एवं पदाधिकारी ब्लॉक प्रमुख, नगर पंचायतों के चेयरमैन, जिला पंचायत सदस्य गण सहित अनेक जनप्रतिधि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब बस्ती सेन्ट्रल के कार्यो की समीक्षा सामाजिक कार्यो में तेजी लाने पर जोर

–महिला स्वालंबन के लिये भेंट किया सिलाई मशीन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोटरी मण्डल अध्यक्ष 3120 रोटेरियन सुनील बंसल ने रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल द्वारा किए गए कार्यों का निरीक्षण किया । एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होने रोटरी द्वारा सामाजिक शिक्षा स्वास्थ्य के क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा में उन्होने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए और रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल के द्वारा किये गए कार्यो की सराहा। रोटेरियन लक्ष्मीकान्त पाण्डेय ने क्लब द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी, सहायक मंडल अध्यक्ष डॉ डीके गुप्ता ने रोटरी पिन के महत्व की जानकारी दिया।

क्लब अध्यक्ष रोटेरियन अच्युत अग्रवाल ने कहा कि क्लब के द्वारा भविष्य में सामाजिक हित के लिए कई कार्य कराए जाएंगे और टीम के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने को तैयार है। रोटरी क्लब बस्ती सेन्ट्रल के पदाधिकारियों ने सामाजिक संगठन 'साथी हाथ बढ़ाना' ट्रस्ट के साथ मिलकर शिक्षा स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करेगा। 'साथी हाथ बढ़ाना के संस्थापक राजकुमार पाण्डेय ने कहा कि क्लब के साथ भविष्य में मिलकर अच्छा कार्य करेंगे जिससे समाज के वंचित पिछड़े लोगों को लाभ मिल सके। रोटरी क्लब बस्ती सेन्ट्रल बाबा गोविंद कल हंस स्पोर्ट ग्रुप वाल्टरगंज के संस्थापक रिटायर्ड सैनिक चन्द्रभूषण सिंह कलहंस के सहयोग से बच्चों में खेल कूद आदि तैयारी के लिए क्लब सहयोग करेगा।

क्लब के द्वारा महिला स्वावलंबन योजना के अंतर्गत सोनम कविता को मंडल अध्यक्ष द्वारा सिलाई मशीन दिया गया। क्लब के द्वारा गोद लिए गए टीवी मरीज 11 मरीजो को पोषण पोटली प्रदान की गई।

शिक्षा के क्षेत्र में अर्चना शोध संस्थान, रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल, साथी हाथ बढ़ाना ट्रस्ट के द्वारा गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी। वरिष्ठ रोटेरियन अमरमणि पाण्डेय के संयोजन में यह कार्यक्रम चलाया जाएगा । मंडलाध्यक्ष के द्वारा नए रोटेरियन डॉक्टर सुनील कुमार चौधरी, राजकुमार पाण्डेय को रोटरी पिन पहनाकर क्लब में सम्मिलित कराया गया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ने कहा कि रोटरी के माध्यम से हम समाज में निरन्तर अच्छा कार्य कर रहे हैं जो मानव होने का प्रथम कर्तव्य है। उन्होने निर्देशित किया कि रोटरी की कार्यशाला आयोजित करके अधिक से अधिक लोगों को रोटरी के बारे में जानकारी दी जाय।

इस अवसर पर रोटेरियन कौशल कुमार पाण्डेय, आशीष वाधवानी, आशीष ठकराल, चार्टर अध्यक्ष मुनीरूद्दीन अहमद, इलेक्ट प्रेसिडेंट वामिक मिराज, विमल तुलस्यान, आकांक्षा अग्रवाल, अमरमणि पाण्डेय, राजकुमार पाण्डेय, डॉ सुनील चौधरी, अमित त्रिपाठी, सुभाष चंद्र अग्रहरि, सैनिक चंद्र भूषण सिंह कलहंस, कवीश अबरोल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन कविश अबरोल और आभार ज्ञापन क्लब अध्यक्ष अच्युत अग्रवाल ने किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 2 मई 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

कम मतदानः कहीं खुशी, कहीं गम

दो चरणों के शुरुआती दौर में कम मतदान से 'कहीं खुशी कहीं गम' का माहौल है। कम हो रहे मतदान का मर्ज दरअसल कुत्सित राजनीति और अवसरवादी नेताओं के प्रति जनता का अविश्वास प्रस्ताव है। जनता के गुस्से, क्षोभ और अरुचि को समझने की बजाय, चुनाव आयोग पानी में लाठी मारकर समाधान का प्रयास कर रहा है। उत्तर प्रदेश के कई कस्बों में जागरूकता बढ़ाने के नाम पर चुनाव आयोग वाहनों के काफिले से रोड शो कर रहा है। ऐसे भद्दे रोड शो में बढ़ रहे ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और लाऊड स्पीकर के ध्वनि प्रदूषण से चुनावों के प्रति लोगों की रही–सही रुचि भी कम हो रही है।

संविधान के तहत 18 साल से बड़ी उम्र के भारतीय नागरिकों का नाम वोटर लिस्ट में होना चाहिए लेकिन अनिवार्य वोटिंग के बारे में फिलहाल कोई कानून नहीं है। साल 1961 में बनाए गए चुनावी नियम 49–ओ में वोट नहीं डालने के अधिकार का इस्तेमाल करने की प्रक्रिया निर्धारित है। सुप्रीम कोर्ट ने 1993 में लिली थॉमस मामले में कहा था कि लोगों को वोट नहीं देने का भी अधिकार है। ई.वी.एम. से वोटिंग शुरू होने के बाद साल 2013 में सुप्रीमकोर्ट के फैसले से लोगों को नोटा का विकल्प भी हासिल हो गया। वह फैसला पी.यू.सी.एल. मामले में चीफ जस्टिस पी. सदाशिवम, रंजना देसाई और रंजन गोगोई की बैंच ने दिया था। ई.वी.एम. से नोटा का विकल्प चुनने पर मतदाता की गोपनीयता सुरक्षित रहती है जो पुराने नियमों में सम्भव नहीं था। सभी उम्मीदवारों को असंतोषजनक मानने की स्थिति में वोटर नोटा का बटन दबाकर उन्हें अस्वीकार कर सकता है।

साल 2019 में बिहार के गोपालगंज में 51,660 लोगों ने नोटा का बटन दबाया था। पिछले 5 सालों में लगभग 1.29 करोड़ लोगों ने नोटा का बटन दबाया है। मौजूदा कानून के अनुसार नोटा को सबसे ज्यादा वोट मिलें तो भी चुनाव परिणाम में फर्क नहीं पड़ता। सुप्रीमकोर्ट के फैसले अनुसार नोटा के बाद चुनावों में बेहतर उम्मीदवार के चयन से लोकतंत्र मजबूत होगा लेकिन पक्ष और विपक्ष के नेताओं के भाषणों और आरोपों से साफ है कि दलों के दलदल में चुनावी व्यवस्था का कैंसर बढ़ता जा रहा है। पैसे और शराब के दम पर रैलियों और रोड शो में भीड़ के प्रचलन में कोई कमी नहीं आ रही। सत्ता हासिल करने के लिए सभी तरह के सब्जबाग दिखाए जा रहे हैं लेकिन सरकारों की खाली तिजोरी की हकीकत सामने नहीं आ रही।

इन चुनावों में एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होने की उम्मीद है जिसमें से अधिकांश भ्रष्टाचार से अर्जित काला धन है। इसके खर्चे का पार्टियों और चुनाव आयोग के पास कोई हिसाब–किताब नहीं है। चुनावी भाषणों में लगाए जा रहे सभी आरोपों पर कानूनी तौर पर संज्ञान लिया जाए तो सभी दलों के नेताओं के खिलाफ लाखों एफ.आई.आर. दर्ज होनी चाहिएं। चुनावी नतीजों के बाद भ्रष्ट और दल–बदलू नेताओं से बनी किसी भी सरकार से लोगों को बदलाव और सुशासन की उम्मीद नहीं है। इसकी वजह से पोड्क्षलग बूथ जाने में लोगों की दिलचस्पी कम हो रही है।

सुप्रीमकोर्ट ने ई.वी.एम. और वी.वी.पैट की वैधता पर फिर से मोहर लगाई है। उसी दिन चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ की दूसरी बैंच ने नोटा को प्रत्याशी मानने वाली याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। इस याचिका में नोटा को काल्पनिक उम्मीदवार का दर्जा देने की मांग की गई है। सूरत में कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा रद्द होने और निर्दलीय उम्मीदवारों की नाम वापसी के बाद भाजपा उम्मीदवार निध्वरोध निर्वाचित हो गए हैं। इसके पहले सपा नेता डिम्पल यादव, कांग्रेस नेता वाई.वी. चह्वाण, फारूक अब्दुल्ला समेत कई दलों के 35 नेता निध्वरोध जीत चुके हैं।

अरुणाचल प्रदेश में तो भाजपा के 10 विधायक निध्वरोध जीत गए थे। सिर्फ एक प्रत्याशी के रहने पर निध्वरोध निर्वाचन के लिए आर.पी. एक्ट की धारा–53 (3) में प्रावधान है। इस बारे में चुनाव आयोग ने चुनाव अधिकारियों के लिए अगस्त, 2023 में जारी हैंडबुक में विस्तार से प्रावधान किए हैं। सुप्रीमकोर्ट में दायर याचिका के अनुसार निध्वरोध जीतने से लोगों के वोट डालने के अधिकार का हनन होता है।

याचिकाकर्ता शिव खेड़ा के अनुसार महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और पुड्डुचेरी में राज्य निर्वाचन आयोग के बनाए गए नियमों के अनुसार नोटा को सर्वाधिक वोट मिलने पर पुनर्मतदान होना चाहिए। इसलिए इस तरह की व्यवस्था विधानसभा और लोकसभा के चुनावों में पूरे देश में होनी चाहिए। नोटा की व्यवस्था सुप्रीमकोर्ट के फैसले से लागू हुई थी और इसके लिए संविधान में कोई संशोधन नहीं किया गया। राज्यसभा चुनावों में नोटा की व्यवस्था लागू करने के लिए चुनाव आयोग ने जनवरी, 2014 और नवम्बर 2015 में आदेश जारी किए थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद–80 (4) और आर.पी. एक्ट की व्याख्या करते हुए चुनाव आयोग की अधिसूचना को रद्द कर दिया। उस फैसले में व्हिप को भी नए सिरे से मान्यता मिलने की वजह से पार्टियों के विधायकों का दर्जा बंधुआ से भी बदतर हो गया।

नोटा को व्यावहारिक मान्यता देने में कई कानूनी बाधाएं हैं। न्यूनतम वोटिंग के लिए भारत में कोई कानून नहीं है। साल 2018 में स्थानीय निकाय चुनावों में श्रीनगर में 2.3 प्रतिशत से कम लोगों ने वोट दिया था। उसके बाद मई, 2019 के लोकसभा चुनावों में शोपियां और पुलवामा में 2.81 से 10.3 प्रतिशत वोट ही डाले गए थे। चपरासी की नौकरी के लिए न्यूनतम शिक्षा और नर्सरी के विद्यार्थी को पास होने के लिए न्यूनतम 33 प्रतिशत नम्बरों का नियम है लेकिन नेताओं के लिए शिक्षा और चुनावों में न्यूनतम वोट हासिल करने के लिए कोई नियम नहीं है। याचिकाकर्ता ने नियमों में बदलाव करने के लिए सुप्रीमकोर्ट से मांग की है लेकिन संसद में आर.पी. एक्ट कानून में संशोधन के बगैर नोटा को प्रत्याशी का दर्जा मिलना मुश्किल है। राजनीति के अपराधीकरण को रोकने और जनता के आक्रोश को व्यक्त करने के लिए नोटा का प्रावधान किया गया था। इसलिए नोटा में डाले गए वोट यदि हार–जीत के अंतर से ज्यादा हों तो चुनाव रद्द होना ही चाहिए। नोटा को सार्थक मान्यता के बाद ही 'राइट टू रिजैक्ट' और 'राइट टू रिकॉल' के अधिकारों के कानून पर बात आगे बढ़ेगी। इन चुनावी सुधारों और कानूनों से नेताओं की जवाबदेही बढने के साथ लोगों का चुनावों के प्रति रुझान भी बढ़ेगा।

सामाजिक न्याय के आंदोलन से उपजे नेताओं की भूमिका

–नीरज कुमार दुबे–

लोकसभा चुनावों में विपक्ष की ओर से संविधान और आरक्षण बचाने की दुहाई दी जा रही है तो सरकार का कहना है कि वह संविधान और आरक्षण की सुरक्षा के लिए चट्टान बन कर खड़ी रही है और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी। देखा जाये तो इस बार के आम चुनाव में प्रचार में मुद्दे तो कई उठ रहे हैं लेकिन जनता के असल मुद्दे परिदृश्य से गायब होते जा रहे हैं। गरीबों की बात सभी दल कर रहे हैं। गरीब यह देख कर खुश हैं कि उन्हें बहुत याद किया जा रहा है लेकिन वह यह बात जानते हैं कि मतदान के बाद उनकी सुध लेने कोई नहीं आयेगा। सभी दल सामाजिक न्याय की बात भी कर रहे हैं लेकिन वास्तविक सामाजिक न्याय तभी होगा जब सबका आर्थिक सशक्तिकरण होगा। इसके अलावा शिक्षा को सस्ता कर सबके लिए सुलभ बनाया जायेगा।

सामाजिक न्याय की मांग सबसे पहले बिहार से उठी थी। यह मांग उठायी थी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल ने। बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल के राजनीतिक सफर की बात करें तो आपको बता दें कि बिहार के मधेपुरा संसदीय क्षेत्र के भागलपुर से अलग होने के बाद, मंडल ने संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी (एसएसपी) के टिकट पर 1967 का लोकसभा चुनाव जीता था। वह 1968 में थोड़े समय के लिए बिहार के मुख्यमंत्री भी बने थे। मंडल यादव समुदाय से थे और उन्हें दूसरे पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष भी बनाया गया था। 1978–80 के दौरान वह मंडल आयोग की रिपोर्ट के लेखक बने, जिसने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सरकारी नौकरियों में कोटा की सिफारिश की थी। मंडल आयोग की रिपोर्ट को 1990 में वीपी सिंह सरकार द्वारा लागू किया गया था। इस घटनाक्रम के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश में कई क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ था जोकि आज तक राजनीतिक परिदृश्य में काफी महत्व रखते हैं।

मधेपुरा शहर की चर्चा तो बहुत होती है लेकिन यह क्षेत्र विकास की बाट अब तक जोह रहा है। मधेपुरा से लगभग 10 किमी दूर, जैसे ही कोई पूर्णिया–सहरसा राजमार्ग से दाहिनी ओर मुड़ता है और रेलवे लाइन पार करता है तो टिन की छत वाले कच्चे घरों की श्रृंखला आपको दिखाई पड़ेगी। यहां पर मुरहो गांव के अंत में पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल का स्मारक है। मंडल स्मारक से बमुश्किल 100 मीटर की दूरी पर मुसहर टोले के एक कोने में, एक मिट्टी की झोपड़ी है, जहां क्षेत्र के पहले संसद सदस्य किराई मुसहर के पोते रहते हैं। यह बातें हम आपको इसलिए बता रहे हैं कि नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की ओर से जाति जनगणना के मुद्दे पर राजनीति तो बहुत की गयी लेकिन पिछड़ों के लिए कुछ नहीं किया गया। यही नहीं मंडल के विचारों को भी इन दलों की ओर से दरकिनार कर दिया गया है।

देखा जाये तो देश की सामाजिक न्याय की राजनीति के अग्रदूत, मंडल की विचारधारा ने समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार सहित कई समाजवादी नेताओं को जन्म दिया। लेकिन इन दलों ने मंडल को भुला दिया। आज मंडल का पैतृक घर और उनके नाम पर स्मारक मुरहो गांव में उपेक्षा के शिकार दिखते हैं। इस गांव के लोगों का कहना है कि लालू और नीतीश ने सामाजिक न्याय आंदोलन को कमजोर कर दिया क्योंकि दोनों ने अपनी–अपनी जातियों को बढ़ावा दिया और दलितों को कुछ नहीं दिया इसीलिए वह अब भी गरीब बने हुए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि महादलितों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि सामाजिक न्याय के मुद्दे पर राजनीति करने वालों ने देश और समाज को कुछ नहीं दिया।

हम आपको बता दें कि यादवों के प्रभुत्व वाले निर्वाचन क्षेत्र मधेपुरा में 7 मई को तीसरे चरण में मतदान हो रहा है। यहां के लोगों का कहना है कि मुरहो गांव से शुरू हुए सामाजिक न्याय के गौरवशाली आंदोलन से जुड़ी यादें जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। उल्लेखनीय है कि मुरहो गांव यादव बहुल है और इसके अन्य समुदायों में कुर्मी और पचपनिया जैसे कुछ अन्य ओबीसी समूहों के साथ–साथ महादलित भी शामिल हैं। यहां के लोग इस गांव का भाग्य बदलने की उम्मीद छोड़ चुके हैं।

गांव के युवक कहते हैं कि बीएड की डिग्री ली, आईटीआई का प्रमाणपत्र लिया लेकिन कोई नौकरी नहीं मिली। अधिकांश युवक स्कूली बच्चों को खुले में ट्यूशन पढ़ा कर अपना काम चलाते हैं। बेरोजगारी की स्थिति को लेकर युवकों की नाराजगी हर दल से है। युवकों का कहना है कि कोई भी वास्तविक मुद्दों के बारे में बात नहीं कर रहा है। असली मुद्दा बेरोजगारी है। युवकों का कहना है कि बड़ी डिग्री लेने के बावजूद चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है जिससे बड़ा नुकसान होता है। गांव वालों की शिकायत है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल योजना के तहत आ रहा पानी अच्छी गुणवत्ता का नहीं है। लोगों का कहना है कि नल तो हैं लेकिन गांव में नालियां नहीं हैं जिससे गंदगी का अंबार लगा रहता है। हम आपको बता दें कि मधेपुरा में 2019 के लोकसभा चुनावों में जेडीयू के दिनेश चंद्र यादव ने राजद के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले शरद यादव को 3 लाख से अधिक वोटों से हराया था। इस बार, मौजूदा सांसद दिनेश का मुकाबला राजद के चंद्रदीप यादव से है, जो शिक्षाविद् और पूर्व सांसद रमेंद्र कुमार रवि के बेटे हैं। माना जा रहा है कि इस बार क्षेत्र में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

मिलावटी खानपान और बढ़ती बीमारियां

–नरेश कौशल–

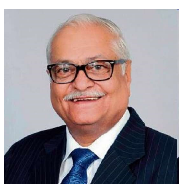

डेढ़ साल की राबिया को क्या पता था कि जब वह पटियाला से ननिहाल के लाड़–प्यार की मिठास से भरी चॉकलेट लुधियाना आकर खाएगी तो उसकी जान पर बन आएगी। दुर्भाग्य से इस लाड़–प्यार के रिश्तों के बीच बेरहम बाजार आ गया। बाजार जो सिर्फ मुनाफे का पीर है। कोई मासूम मरे या जीये, उसकी बला से। चॉकलेट खाकर बच्ची बहुत बीमार हो गई। बड़े अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने किसी जहरीली चीज खाने की बात कही। बात चॉकलेट की आई, रैपर देखा गया तो चॉकलेट की एक्सपाइरी डेट छह महीने पहले खत्म हो चुकी थी। यह दुखद संयोग ही है कि पिछले दिनों पटियाला में ही जन्मदिन पर ऑनलाइन मंगवाए गए केक को खाने से एक 'बर्थडे गर्ल' की मौत हो गई थी। जांच पड़ताल के बाद पता चला था कि किसी बेकरी का मालिक दूसरी जगह से अलहदा नाम से बेकरी का सामान ऑनलाइन बेच रहा था। पक्की बात है, ये कानून से बचने–बचाने की तरकीब थी। इस चाकलेट व केक बेचने वाली दुकानों का इलाका पटियाला में पीली सड़क के आसपास का ही है।

यह संयोग ही है कि पिछले कुछ अरसे से देश में कई ऐसे खुलासे हुए, जिनमें बताया गया कि दशकों से हम जिन उत्पादों को तंदुरुस्ती संवारने वाला मानते आ रहे थे, वे तो सेहत के लिये नुकसानदायक निकले। पहले खुलासा हुआ कि बॉर्नविटा व सेरेलेक्स में बहुराष्ट्रीय कंपनियां आवश्यकता से अधिक शूगर मिलाकर विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के जीवन से खिलवाड़ कर रही हैं। यह भी खुलासा हुआ है कि व्यंजनों को लजीज बनाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व पाचन सुधारने वाले कुछ कंपनियों के मसालों में सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व पाये गए हैं। मसालों को सुरक्षित रखने के लिये कीटनाशक जैसे पदार्थ मिलाए गए हैं। भारत में तो लोग जैसे–तैसे इन्हें खा ही रहे हैं अब तो दुनिया के कई मुल्कों में भी दो भारतीय मसाला कंपनियों की साख पर सवाल उठाये जा रहे हैं। सिंगापुर व हांगकांग का दावा है कि दो भारतीय कंपनियों के मसाला पैकेटों में सेहत के लिये हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। सैकड़ों सालों से भारत की पहचान रहे मसाले न केवल रोगनाशक बल्कि इम्यूनिटी बढ़ाने वाले भी होते हैं। याद करें कि कोरोना संकट में इन मसालों ने ही देश के लोगों का मनोबल बनाये रखने में खासी मदद की।

आये दिन हम मिलावटी खानपान की चीजों की बरामदगी की खबरें पढ़ते हैं। कुछ लोग बीमार होते हैं, कुछ अपना जीवन गवां बैठते हैं। लेकिन सुनने में नहीं आया कि किसी हादसे के बाद किसी की जवाबदेही तय करके बड़ी सजा दी गई हो। ऐसी सजा जो दोषियों के लिये सबक का फैसला साबित हो। आज आखिर बचा ही क्या है बिना मिलावट के? दूध, बेसन, घी, पनीर, खोया, दवाइयां, दैनिक जरूरत की चीजें आटा, चावल व दालें भी मिलावट की चपेट में हैं। यहां तक कि पानी तक में मिलावट है। इस मिलावट का ही असर है कि कम उम्र में लोग बड़ी उम्र की बीमारियों से पीड़ित होने लगे हैं। जिन अधिकारियों व कर्मचारियों पर खाने–पीने की चीजों की निगरानी की जिम्मेदारी है, वे होली–दीवाली पर दिखावटी अभियान चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं और जेबें भी भर लेते हैं। कुछ स्थानों पर छापेमारी होती है और कुछ जगह नमूने भरे जाते हैं। फिर ढाक के वही तीन पात। होना तो यह चाहिए कि शासन–प्रशासन ऐसे सख्त कदम उठाये कि कोई फिर से मिलावट करने का दुस्साहस न कर सके। वैसे लोगों को सचेत करने की भी जरूरत है। यह कैसी अजीब स्थिति है कि अब तक हम जिन प्रॉडक्ट को दशकों से सेहत के लिये वरदान मानते रहे हैं, अब खुलासा हुआ कि वे तो सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। ऐसे कई देसी–विदेशी उत्पादों के खुलासे एक साथ हुए। इसी कड़ी में उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है कि राज्य सरकार ने पतंजलि आयुर्वेद के 14 उत्पादों का निर्माण लाइसेंस निलंबित किया है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि स्टेट लाइसेंसिंग अथॉरिटी की ओर से भ्रामक प्रचार मामले में दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद के उत्पाद मामलों में यह कार्रवाई की गई है।

जो भी हो, सुप्रीम कोर्ट ने इस साल न्यायिक जिम्मेदारी का नमूना पेश किया। जिस तरह पतंजलि आयुर्वेद के कर्ताधर्ताओं की क्लास लगाई, उसे पूरे देश ने देखा और मीडिया के जरिये आम लोगों ने महसूस किया। लेकिन अदालत ने इसमें याचिका दायर करने वाली आईएमए को भी नहीं बख्शा। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि एक उंगली यदि बाबा रामदेव की तरफ उठी तो चार तुम्हारी तरफ भी उठी हैं। तुम्हारा दामन भी पाक साफ नहीं है। नाराज न्यायाधीशों ने कहा कि आखिर कौन दवा कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए महंगी–महंगी दवाएं लिखता है? इसी बीच खबर आई कि बच्चों के लिये स्वास्थ्यवर्धक बताये जाने वाले बॉर्नविटा की पड़ताल में पता चला कि उसमें चीनी की मात्रा यूरोपीय व अमेरिकी देशों में बेचे जाने वाले उत्पाद के मुकाबले काफी ज्यादा थी। चीनी की यह मात्रा एशिया व अफ्रीका के गरीब मुल्कों में बेचे जाने वाले बॉर्नविटा में भारत से भी ज्यादा थी। लेकिन यूरोप व अमेरिकी देशों में बॉर्नविटा में यह मात्रा स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप ही रही। बाद में कंपनी ने दावा किया कि भारत में बेचे जाने वाले बॉर्नविटा में चीनी की मात्रा तीस प्रतिशत कम कर दी गई है। कभी संपन्न वर्ग के बच्चों का पसंदीदा स्वास्थ्यवर्धक पेय बताये जाने वाला बॉर्नविटा स्टेटस सिंबल माना जाता था। बड़े मोहक व भ्रामक विज्ञापन इसकी तारीफ में गढ़े जाते रहे हैं। गरीब बच्चों के लिये तो बॉर्नविटा का स्वाद चखना एक सपना हुआ करता था। कई पुराने फिल्मी व टीवी कलाकार उपभोक्ताओं को लुभाने के लिये अपनी प्रतिभा का इस्तेमाल करते रहे। इसी तरह यूरोपीय कंपनी नेस्ले ने भी अपने उत्पादों में चीनी व अन्य हानिकारक पदार्थ हटाने की बात कही थी।

सवाल है कि भारत में खाने–पीने की क्वालिटी की निगरानी करने वाली एजेंसियां क्यों चुप्पी साधे बैठी रहती हैं। अपने–आप पहल करते हुए तथाकथित विदेशी सेहत बढ़ाने वाले प्रॉडक्ट तथा स्वदेशी आयुर्वेदिक दवाओं की गुणवत्ता की पड़ताल क्यों नहीं करतीं? यदि बच्चों को दिये जाने वाले कथित पेय पदार्थों में वास्तव में नुकसानदायक पदार्थ मौजूद हैं तो फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जांच क्यों नहीं की? क्यों करोडों भारतीयों बच्चों की सेहत को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया? एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह भी है कि देश के शहरों–कस्बों में कथित खानदानी वैद्य, चमत्कारी इलाज, यौवन और ताकत की दवाएं बेचते रहते हैं। कुछ धर्म परिवर्तन कराने वाले भी चमत्कारी इलाज का दावा करते हैं। उनकी निगरानी करने वाला कोई महकमा अभी तक नहीं बना। वे सीधे–साधे ग्रामीणों को छलते रहते हैं। इतना ही नहीं, ट्रेनों व बसों में कथित हकीम दवा बेचते और इलाज की शर्तिया गारंटी देते मिलेंगे। इन दवाओं को खाने से कई लोगों के लीवर व किडनी तक खराब हो जाते हैं। लेकिन सेहत से खिलवाड़ की जवाबदेही तय करने वाला कोई विभाग नहीं बना।

दुखद है कि होटलों, ढाबों में व खोमचों में खाने–पीने का सामान बेचने वालों की योग्यता और खाने की गुणवत्ता की जांच करने वाले निरीक्षक कभी अपनी ड्यूटी को निभाते नजर नहीं आते। मोटी–मोटी रकम देकर निरीक्षक पदों पर तैनात लोग इस रकम को कई गुना करने के खेल में लगे रहते हैं। दीवाली और अन्य त्योहारों में बाजार में खोया व मिठाई की बहुतायत हैरान करने वाली होती है। सवाल यह उठता है कि जब पशुधन लगातार सिमट रहा हो। गोवंश को लगे रोग से लाखों गायें मर रही हों, फिर भी बाजार में दूध व खोये की कोई कमी नहीं दिखी! कहां से आ रहा है यह पनीर व खोया? आखिर कब तक देश के लोगों की सेहत से खिलवाड़ यूं ही होता रहेगा? हमारे हुक्मरान कब नींद से जागेंगे? क्यों नहीं हर शहर–गांव में खाने की चीजों व दूध की तुरत–फुरत जांच करने वाले केंद्र बनाए जाते? अंत में इसी आशा के साथय वह सुबह कभी तो आयेगी।

ड्रैगन के वर्चस्व को चुनौती

–केएस तोमर–

हाल ही में चीन समर्थक, मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज्जू की भारी जीत भारत के लिए एक बड़ा झटका है। इस जनादेश के मायने यह भी हैं कि मालदीव की जनता भी चीन की ओर अपने राष्ट्रपति के राजनीतिक झुकाव का समर्थन कर रही है। इसके साथ ही, मुइज्जू ड्रैगन की सैन्य उपस्थिति के लिए जगह बनाने को अपने व्यक्तिगत एजेंडे को लागू करने के लिए तैयार है।

कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि मुइज्जू बेशक सफल राजनेता हैं लेकिन भूल रहे हैं कि कूटनीति में चरम स्थिति आत्मघाती भी हो सकती है। बहरहाल, चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य उपस्थिति के मकसद से मालदीव को लुभाने को उत्सुक है। सुरक्षा बलों को मुफ्त प्रशिक्षण देने के अलावा बीते मार्च में मालदीव और चीन द्वारा गैर–घातक हथियारों के लिए हस्ताक्षरित 'सैन्य सहायता' समझौते से स्पष्ट है, मुइज्जू की हालिया जीत उन्हें भारत विरोधी रुख अपनाने को प्रोत्साहित कर सकती है।

बदले परिदृश्य में भारत को अपनी नीतियों में बदलाव कर मुइज्जू की गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। क्योंकि मुइज्जू ने तो 'इंडिया आउट' अभियान पर ही चुनाव जीता था। हाल ही में उन्होंने चुनावों में दो–तिहाई बहुमत हासिल किया, जिसमें उनकी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने 93 में से 66 सीटों पर कब्जा कर लिया। जो चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

बहरहाल, भारत के लिए ये अच्छे संकेत नहीं कि मालदीव से अपने सैनिकों को वापस लाना पड़ रहा है। भारत ने सैन्य कर्मियों को वापस लेने के मुइज्जू के फैसले पर सहमति व्यक्त की थी। उनके स्थान पर सिविल तकनीकी कर्मियों को नियुक्त किया गया है।

दूसरी ओर, नेपाल में भी चीन समर्थक विचारधारा वाले कम्युनिस्टों का शासन है। सरकार बदलने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली और वर्तमान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच नया गठबंधन हो जाने की संभावना के चलते भारत के साथ आपसी संबंधों में असंतुलन पैदा हो सकता है। लेकिन भारत को पड़ोसी देश भूटान के साथ फिलहाल कोई समस्या नहीं है जबकि म्यांमार चुनौतियां पैदा कर सकता है। क्योंकि सैन्य शासक अपनी पकड़ ढीली कर रहे हैं और दुनिया को उम्मीद है कि भारत अपदस्थ आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों के साथ खड़ा रहेगा।

चीन इस क्षेत्र में अपने संबंधों का विस्तार करने में आगे बढ़ रहा है। क्षेत्र में पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों पर एक नजर डालें तो हमारे पड़ोसी को चीन को अपने पाले में लाने के लिए सावधानी बरतने की सख्त जरूरत है और इसका ताजा उदाहरण नेपाल है। सरकार बदलने के बाद, नेपाल का कम्युनिस्ट शासन वैचारिक रूप से ड्रैगन के प्रति प्रतिबद्ध है और उसकी 'ऋण नीति' के जाल में फंस रहा हैं जो खतरनाक है। वहीं पाकिस्तान के मामले में आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि चीन ने पाक को 23 अरब डॉलर का भारी कर्ज दिया है, जिसमें वे 10 अरब डॉलर भी शामिल हैं, जो बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के निमित्त काम करने वाले वाणिज्यिक बैंकों और अन्य ऋणदाताओं का बकाया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान कभी भी इस ऋण से बाहर नहीं आ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सरकार को श्रीलंका के साथ रिश्ते सामान्य होने से कुछ संतुष्टि मिल सकती है। श्रीलंका के गंभीर आर्थिक संकट में भारत उसके बचाव में आया व आईएमएफ के 48 महीने के विशेष पैकेज से भी अधिक डॉलर 4 बिलियन की आर्थिक सहायता और मानवीय सहायता प्रदान की। चीन मदद से पीछे हट गया था। चीन इस देश के लोगों की नजरों में बेनकाब हो गया है।

भारत को बांग्लादेश के साथ भी कोई समस्या नहीं है जिसने गत 23 नवंबर, 2023 को भारत को अपने पड़ोस का सबसे बड़ा विकास भागीदार बताया था, जब दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने तीन भारतीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं का उद्घाटन किया था।कुछ पूर्व राजनयिकों का मानना है कि यदि चीन हमारे पड़ोसियों को हमसे दूर करने में सफल हो जाता है तो संयुक्त राज्य अमेरिका भी प्रभावित होगा क्योंकि इससे सुरक्षा की गंभीर समस्या पैदा होगी।

कंबाइन मशीन ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर डेढ़ किमी तक घिसटते रहे दोनों, एक की मौत

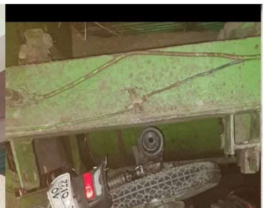

संवाददाता–बहराइच। कंबाइन मशीन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सहित दोनों युवक मशीन के साथ डेढ़ किलोमीटर तक घिसटते चले गए। चालक द्वारा मशीन ना रोकने पर ग्रामीणों ने पीछा कर मशीन को रुकवाया। मशीन में उलझे हुए युवकों को बाइक सहित बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया वहीं घायल दूसरे युवक की हालत गंभीर होने पर लखनऊ रेफर कर दिया गया। मशीन को चालक सहित पकड़कर पुलिस को सौंप दिया गया। बाइक चालक के घिसटने से हेलमेट अलग होकर दूर गिर गया। हुजूरपुर थाना क्षेत्र के लखवापुर बहरैचा गांव निवासी बाइक सवार शटरिंग मिस्त्री पंकज (19) मंगलवार की देर रात बाइक से पड़ोसी रामरूप उर्फ ननके मौर्य (19) के साथ मांगलिक कार्यक्रम में कंजिया गांव जा रहे थे। जब उनकी बाइक कंजिया गांव के पास पहुंची तभी सामने से आ रही धान काटने वाली कंबाइन मशीन ने टक्कर हो गई। बाइक सहित दोनों युवक मशीन में फंस गए और चालक ने बिना रुके डेढ़ किलोमीटर तक सड़क पर घिसटते हुए उन्हें अपने साथ ले गया। राहगीरों ने वाहन का पीछा कर भगवा बाजार के पास रोककर मशीन में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकलवा कर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने पंकज को मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई विष्णु ने बताया कि टक्कर के बाद अगर मशीन चालक वाहन को रोक देता तो उसके भाई की जान बच सकती थी । सड़क पर डेढ़ किलोमीटर तक घिसटने से उसके भाई की मौत ना होती। वह तीन भाई व चार बहन थे जिसमें से दो बहनों की शादी हो चुकी है। मौत से पिता जमुना प्रसाद, मां कंचन देवी सहित अन्य परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया मृतक पंकज व घायल युवक ननके जिगरी दोस्त थे और अगल–बगल में ही उनके घर हैं। दोनों हमेशा एक साथ ही रहते थे। सोमवार ०की शाम बस से दोनों युवक अयोध्या दर्शन करने के लिए गए थे और मंगलवार की शाम वापस लौटे थे। इसके बाद रात में मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने बाइक से जा रहे थे तब हादसे का शिकार हो गए।

आग से दो घरों की गृहस्थी राख, सात बकरियां जिंदा जलीं

संवाददाता–गोण्डा। थानाक्षेत्र के विश्नोहरपुर गांव के मजरे रजवन पुरवा में बुधवार की सुबह करीब दस बजे शार्ट सर्किट से लगी आग में गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। घटना में सात बकरियों की जलने से मौत हो गई। हल्का लेखपाल ने मौके पर नुकसान का आकलन कर तहसील को रिपोर्ट भेज दी है। बताया जा रहा है कि रजवनपुरवा में हदीस मुहम्मद के घर पर आग ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन की शार्ट सर्किट से लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। टीन शेड के चारों तरफ फूस की बाड़ लगी थी पहले लपटें बाड़ मे पहुंची इसके बाद गृहस्थी का सामान, अनाज, चारपाई, कपड़ा, गेहूं सब जलकर राख हो गया। घर के अंदर बंधी दर्जनों बकरियां झुलस गयीं। इनमें सात बकरियां जलकर मर गयीं। आग की लपटों ने पड़ोसी राकेश साहू के घर को भी आगोश में ले लिया। उनके गृहस्थी का भी सामान जल गया। बगल ही कैसरगंज सांसद का आवास है। घटना की जानकारी मिलते ही आवास पर मौजूद सांसद पुत्र कुश्ती संघ के प्रदेश अध्यक्ष करण भूषण सिंह अपने सहयोगियों संग पहुंचे। उन्होंने मोटर आदि की सहायता से खुद सहयोग कर आग पर काबू पाया। सूचना पर पहुंचे हल्का लेखपाल राहुल ने क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तहसील मुख्यालय को भेज दी।

मतदाता जागरूकता के लिए हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने के उद्देश्य को लेकर मतदाताओं को हस्ताक्षर अभियान के तहत जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में सिरसिया ब्लॉक के बीईओ राजकिशोर ने इस अभियान के तहत ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर में एक बड़ा होर्डिंग लगाकर सभी हस्ताक्षर कर मतदाताओं से आह्वान किया कि इस अभियान को सफल बनाकर अधिक से अधिक मतदान करें। बीईओ सिरसिया राजकिशोर ने बुधवार को सुबह 11 बजे हस्ताक्षर अभियान में शुभारंभ किया। इस मौके पर अतुल शुक्ला,कपिल सागर, माण्डवी मिश्रा, सुनील श्रीवास्तव, कृष्णगोपाल शुक्ला ,राहुल गुप्ता एवं कर्मवीर राणा आदि शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री बेनी वर्मा की पौत्री श्रेया ने गोंडा सीट से किया नामांकन

संवाददाता–गोण्डा। लोकसभा सीट से इस बार पूर्व मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा की पौत्री श्रेया वर्मा को सपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। स्व बेनी प्रसाद वर्मा वर्ष 2009 में गोंडा सीट से सांसद रह चुके हैं। इस चुनाव में श्रेया वर्मा बाबा की विरासत को संभालने के लिए चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रही है। जबकि भाजपा से दो बार लगातार अपनी जीत दर्ज कर चुके बीजेपी सांसद कीर्तिवर्धन सिंह उर्फ राजा भैया चुनाव मैदान में है। नामांकन करने के बाद पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए श्रेया वर्मा ने कहा कि हम जहां जा रहे हैं। वहां हमें लोगों का प्यार और समर्थन मिल रहा है। इस बार जनता चुनाव लड़ रही है। क्योंकि जनता मुद्दों को लेकर बहुत परेशान है। उन्होंने कहा कि जनता मुद्दों को लेकर वोट डालने जा रही है। इस बार बीजेपी का सफाया करेंगी। जब उनसे कहा गया कि कौन सा मुद्दा है। तो उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। गांव से लेकर शहर तक पढ़े–लिखे बेरोजगारों की बड़ी फौज है। कोई भी परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न नहीं हो पाती है। पेपर लीक होते जा रहे हैं। लोगों की आमदनी घट गई है। महंगाई अपने चरम पर है। यहां पर स्थानीय मुद्दे बहुत है। सड़के ठीक नहीं है। बजाज चीनी मिल गन्ना किसानों का भुगतान नहीं दे रही है। को– वैक्सीन को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि जिस समय हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि हम यह वैक्सीन नहीं लगवाएंगे। एक के बाद एक जुमले बीजेपी के साफ होते जा रहे हैं। हम लोग यह देख रहे हैं। जगह–जगह मौत हो रही है। लोगों को हार्ट अटैक पड़ रहे हैं। बहुत दुख की बात है कि आज हम लोग इस घड़ी से गुजर रहे हैं।

घर से आठ साल की बालिका को खींच ले गया तेंदुआ, सुबह टुकड़ों में बरामद हुआ शव

संवाददाता–बहराइच। जंगल के धर्मापुर गांव निवासी एक आठ वर्षीय बालिका को तेंदुआ घर से खींच ले गया। उसका शव परिवार के लोगों ने बुधवार सुबह क्षत विक्षत हालत में बरामद किया। जानकारी होने पर उच्चाधिकारी गांव के लिए रवाना हो गए। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के धर्मापुर रेंज अंतर्गत धर्मापुर गांव निवासी श्यामा (8) पुत्री चुन्नू मंगलवार रात घर के सामने अन्य बच्चों के साथ मौजूद थी। बालिका कुछ देर में बच्चों से अलग हुई। इसी दौरान एक तेंदुआ जंगल से निकल कर आया और बालिका को उठा ले गया। बालिका के न दिखने पर परिवार के लोगों ने खोजबीन शुरू की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। जिस पर परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। बुधवार सुबह सभी बालिका की खोजबीन कर रहे थे तभी घर से 200 मीटर की दूरी पर बालिका का क्षत विक्षत शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी रेंज कार्यालय में दी। वन क्षेत्राधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने डीएफओ को घटना से अवगत कराया। डीएफओ बी शिव शंकर ने बताया कि तेंदुआ बालिका को शाम को खींच ले गया था। उसका शव टुकड़ों में बरामद हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को तात्कालिक आर्थिक सहायता के रूप में 10 हजार रुपये दिए गए हैं।

गेहूं के डंठल से घर में लगी आग पूरी गृहस्थी हो गई राख

संवाददाता–श्रावस्ती। बुधवार दिन में अज्ञात कारण से गेहूं के डंठल में आग लग गई। जिसे बुझाने का प्रयास लोगों ने किया। लेकिन डंठल के साथ ही एक घर जल कर राख हो गया। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी परसा डेहरिया की ग्राम पंचायत अलीनगर के मजरा त्रिभुवन नगर के खेतों में अज्ञात कारण से गेंहू के डंथल में आग लग गयी। जिसकी सूचना पर परसा डेहरिया पुलिस चौकी प्रभारी श्याम देव यादव, हेड कस्टेबल अविनाश यादव, कांस्टेबल संतोष कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ आग बुझाने में लग गए। लेकिन तब तक 500 बीघा खेत में गेहूं का डंठल जलकर राख हो गया। आग की चपेट में त्रिभुवन नगर निवासी लल्लू पुत्र नज्जू का फूस का घर भी आ गया। जिससे पूरा घर जल कर राख हो गया। पुलिस चौकी बल, दमकल व ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक गृहस्थी का सारा सामान व लगभग एक किलो सोने चांदी के जेवरात सहित नकदी जलकर राख किया गया। मौके पर पहुंचे लेखपाल ने क्षति का आकलन किया और मुआवजा दिलाने का भरोसा दिया।

हनुमान मंदिर के पुजारी की पीटकर निर्मम हत्या

संवाददाता–देवरिया। जिले में प्रसिद्ध बारीपुर हनुमान मंदिर के सहायक पुजारी अशोक चौबे की मंगलवार रात चाकू से गोदकर कर हत्या कर दी गई। बीच–बचाव करने पहुंचे उनके पुत्र संदीप को भी हमलावरों ने घायल कर दिया। घायल बेटे ने हत्या का आरोप गांव के लोगों पर लगाया है। घटना के बाद से गांव में तनाव है। तनाव को देखते हुए गांव में कई थानों की फोर्स लगाई गई है।

घटना भलुअनी थाना क्षेत्र के तेनुआ चौबे की है। तेनुआ चौबे निवासी अशोक चौबे (56) बारीपुर हनुमान मंदिर में सहायक पुजारी थे। सोमवार रात गांव में अशोक चौबे के भाई की दुकान पर कुछ लोगों से परिवार वालों का विवाद हुआ था। परिजनों ने पुलिस से शिकायत भी की थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मंगलवार की देर गांव के कुछ लोगों ने अशोक चौबे के घर पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने अशोक चौबे को चाकू से गोद दिया। जिससे वह घायल हो गए। पिता पर हमला होते देख बचाव में आए बेटे संदीप को भी हमलावरों ने पीटा। दोनों घायलों को लेकर परिजन देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज गए। जहां पुजारी अशोक चौबे को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे एसपी संकल्प शर्मा, एएसपी दक्षिणी भीम गौतम ने घटना की जानकारी ली।

भलुअनी थाना क्षेत्र की घटना है। पिछले दिनों डीजे बजाने को लेकर गांव के ही हौसला पासवान और उनके परिवार से कहासुनी हुई थी। उसी को लेकर मारपीट की घटना हुई। जिसमें अशोक चौबे के सिर में गंभीर चोट आई और उनकी मौत हो गई। इस मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। वादी द्वारा जो भी तहरीर दी जाएगी उसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

भक्ति को मां की उपाधि मिली है –रवि शंकर गुरुभाई

संवाददाता–बहराइच। भक्ति को ही मां की उपाधि मिली हुई है,भक्ति भी नौ तरह से है। जिनमें श्रवण और कीर्तन की भक्ति प्रमुख है। यदि मनुष्य भगवान की कथा को सुनता है, और कीर्तन करता है, तो उसे भगवान मिलते हैं।

शास्त्री नगर रिसिया में संजय जायसवाल के आवास पर चल रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा व्यास रवि शंकर गुरु भाई ने यह कथा सुनाई। कथा में ध्रुव और प्रहलाद की प्रभु के प्रति भक्ति हमें यही शिक्षा देती है। ध्रुव जी उत्तान पाद के पुत्र थे, उत्तानपाद के दो रानियां थी,ध्रुव अपनी सौतेली मां से अपमानित हुए, तो ध्रुव प्रभु की भक्ति में लीन हुए और पांच वर्ष की अवस्था में उन्हें भगवान मिल गए। उसी तरह भक्त प्रहलाद का जन्म राक्षस कुल में होने के बाद भी वे भगवान की प्रार्थना में लीन रहे, प्रभु की भक्ति को प्राप्त किया। इसके पहले बड़े ही मार्मिक ढंग से तुंग भद्रा नदी के किनारे रहने वाले आत्म देव एवं धुंधली की कथा सुनाई। जिनके धुंधकारी तथा गोकरण नामक पुत्र हुए,और बाद में गोकरण की ओर से श्रीमदभागवत कथा सुनने के बाद धुंधकारी को मुक्ति मिली थी। इस दौरान भजन भी गाए गए, जय जय लड्डू गोपाल, गऊ चरैया,रास रचौया, माधव मदन मुरारी। कथा देर तक चली। इस दौरान यजमान सीता देवी,अजय जायसवाल, संजय जायसवाल प्रमुख प्रतिनिधि, आकाश गुप्ता सभासद, राकेश निगम सभासद मौजूद रहे।

बिना किसी बहकावे में आये निर्भय होकर करें मतदान

संवाददाता–श्रावस्ती। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया एवं एसएसबी कमाण्डेंट आरके राजेश्वरी ने तहसील भिनगा के ग्राम ककरदरी में कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें सभी से मतदान करने की अपील की। इस मौके पर अधिकारियों ने घर घर जाकर मतदान करने का आमंत्रण पत्र वितरित किया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मताधिकार एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है, जो आपको सशक्त व मजबूत लोकतंत्र बनाकर बेहतर भविष्य का मौका देता है। सभी मतदाता 25 मई को प्रातः सात बजे मतदान केन्द्र पहुंच कर मतदान अवश्य करें। इससे राष्ट्र के विकास में आपकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मतदान करना हमारा कर्तव्य है। हमें अपने अधिकारों के साथ ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना किसी बहकावे में आये निर्भय होकर लोकसभा निर्वाचन में अपने अमूल्य मताधिकार का प्रयोग करें, जिससे एक सशक्त भारत का निर्माण हो सके।

एसएसबी कमाण्डेंट ने ग्रामवासियों से अधिक से अधिक की संख्या में लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 में 25 मई को मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोग मतदान के इस महा उत्सव में सम्मिलित होकर बिना किसी प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी महती भूमिका निभायें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, डिप्टी कमाण्डेंट एसएसबी संदीप जेटली सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

नहर में नहाते समय चार बच्चे डूबे, तीन के शव बरामद, पहुंचा प्रशासन, इलाके में हड़कंप

संवाददाता–बहराइच। जिले के नानपारा कोतवाली के गिरधरपुर गांव में स्थित नहर में बुधवार को गांव के चार बच्चे नहाने गए थे। तभी नहाते समय गहरे पानी में जाने से सभी डूब गए इनमें तीन की पानी में डूब कर मौत हो गई। जबकि एक किशोरी लापता है। उसकी तलाश की जा रही है। हादसे की जानकारी होते ही एसडीएम और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

कोतवाली नानपारा अंतर्गत गिरधरपुर गांव के ठीक सामने नहर स्थित है। नहर में इस समय पानी भरा हुआ है। इस नहर में गर्मी अधिक होने पर गांव निवासी आंचल (12) पुत्री शोभाराम, चोइनी (10) सदबरन, राहुल (13) पुत्र सागर और माही (14) पुत्र सदबरन स्नान करने के गए। दोपहर 12 बजे सभी स्नान कर रहे थे। इसी दौरान स्नान करते समय पैर फिसलने से सभी बच्चे पानी में डूब गए। कुछ देर बाद परिवार के लोगों ने खोजबीन शुरू की तो नहर के निकट कपड़े और चप्पल मिले। जिस पर सभी ने नहर में खोजबीन शुरू की। ग्रामीणों की मदद से नहर से आंचल, चोईनी और राहुल का शव बरामद कर लिया गया। जबकि माही का कुछ पता नहीं चल सका है। उसकी खोजबीन की जा रही है। हादसे की जानकारी होने पर सीओ राहुल पांडेय और कोतवाल आर.के सिंह गांव पहुंचे। सभी ने जांच कर बयान दर्ज किया। कोतवाल ने बताया कि तीन बालकों की डूबकर मौत हुई है और उनके शव भी मिल गए है। किशोरी की तलाश की जा रही है।

सियासी गर्मी के बीच मजदूरों की रोजी-रोटी का संघर्ष जारी

संवाददाता–कुशीनगर। देश में लोक सभा चुनाव की बयार बह रही है। दो चरणों का चुनाव संपन्न हो चुका है। कुशीनगर में अंतिम चरण में एक जून को मतदान होगा। आजादी के बाद पिछले 73 सालों में सरकारें बदलती रहीं, लेकिन मजदूरों के जीवन में कुछ खास बदलाव नहीं हुआ, हलांकि मजदूरों की संख्या में गिरावट होने के साथ उनपर आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा है। इनके लिए मजदूरी के बदौलत परिवार की आजीविका चलाना मुश्किल होता है। सियासी गर्मी के बीच मजदूरों का रोजी–रोटी के लिए संघर्ष जारी है।

कुशीनगर की कुल आबादी 41.5 लाख है। इनमें 6.05 लाख किसान हैं। श्रम विभाग में कुल 2.15 लाख निर्माण श्रमिक पंजीकृत हैं। वहीं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण योजना मनरेगा में कुल 3.05 लाख पंजीकृत मजदूरों में जिले में 2,25,048 एक्टिव मजदूर हैं। इनमें से 1,23,788 मजदूरों को किसी न किसी कार्य दिवस पर काम मिला है। प्रत्येक मनरेगा मजदूर को सौ दिन का काम मिलना जरूरी है, लेकिन जिले में सिर्फ करीब सात हजार मजदूरों के हाथों को ही 100 दिन का काम मिला है। मनरेगा मजदूरों को 237 रुपये दिहाड़ी मजदूरी मिलती है।

श्रम विभाग से एक मजदूर को 395 रुपये मजदूरी निर्धारित है, लेकिन गांवों में मजदूरों को साढे तीन सौ तथा शहरों में चार सौ से साढे चार सौ रूपये मजदूरी मिलती है। सौ रूपये अधिक मजदूरी की आस में मजदूरी शहरों के मंडियों में पहुंचते हैं। वहां भी मजदूरों को किसी न किसी दिन बिना काम किये बैरंग वापस लौटना पड़ता है। सिधावें निवासी मजदूर खुर्शीद, नेहरू, तूफानी, बहोरापुर निवासी मजदूर रमेश, आसबदन, संतोष, सुनील, सुमेर आदि ने बताया कि गांव में साढे तीन सौ तथा कसया व पडरौना शहर के मंडी में साढे चार सौ मजदूरी मिलती है। इतने कम रूपये में महंगाई के जमाने में परिवार की आजीविका चलाना मुश्किल होता है। किसी तरह परिवार का भरण पोषण हो रहा है। सरकारें बदलती हैं, लेकिन मजदूरों के जीवन शैली किसी प्रकार का बदलाव नहीं होता है। चुनाव में किसी नेता के पक्ष में प्रचार करने जाने पर दो सौ से तीन सौ रूपये मिलता है तथा साथ में चाय व नाश्ता मिल जाता है।

विजय कुमार यादव, सहायक श्रम आयुक्त ने कहा कि मजदूरों के जीवन स्तर को उठाने के लिए विभाग द्वारा लगातार प्रयास कर योजनाओं का लाभ दिया जाता है। साइट बंद होने के कारण पंजीकरण और योजनाओं का लाभ मजदूरों को नहीं मिल रहा है। उन्हें साइट शुरू होने पर जुलाई महीने तक लाभान्वित किया जायेगा।

गैसड़ी उपचुनाव के लिए शैलू व राकेश का हुआ नामांकन

संवाददाता–बलरामपुर। गैसड़ी विधान सभा उपचुनाव के लिए भी नामांकन का दौर शुरू हो गया है। बुधवार को भाजपा व सपा प्रत्याशियों ने कलेक्ट्रेट में नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं उपचुनाव के लिए चार लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे हैं। गैसड़ी उपचुनाव भी 25 मई को लोकसभा चुनाव के साथ होना है। अब तक यहां से 10 लोग पर्चा खरीद चुके हैं।

गैसड़ी विधान सभा उपचुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बुधवार को भाजपा प्रत्याशी शैलेष कुमार सिंह शैलू ने नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह सहित कई अन्य भाजपाई मौजूद थे। इसी तरह से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी राकेश यादव ने नामांकन पत्र दाखिल किया। राकेश के साथ सांसद राम शिरोमणि वर्मा, सपा जिलाध्यक्ष मणिक लाल कश्यप, संजय तिवारी, पूर्व विधायक राम सागर अकेला, मशहूद खां, परशुराम वर्मा, इकबाल जावेद, विशाल श्रीवास्तव आदि मौजूद थे। बताते चलें कि गैसड़ी विधान सभा सीट विधायक डा एसपी यादव के निधन के बाद खाली हुई है। डा एसपी यादव सपा शासन काल में कई बार राज्यमंत्री रहे हैं। सपा के संस्थापक सदस्यों में उनका नाम था। इस सीट पर सपा ने डा एसपी यादव के पुत्र राकेश यादव पर दांव लगाया है। जबकि भाजपा ने पिछले चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे पूर्व विधायक शैलेष कुमार सिंह शैलू को अपना प्रत्याशी बनाया है। 2022 विधान सभा चुनावों में भाजपा ने जिले की कुल चार विधान सभा सीटों में से तीन पर कब्जा किया था। एक विधान सभा सीट न जीत पाने का मलाल पार्टी को है। गैसड़ी उपचुनाव को जीतकर पार्टी उस मलाल को दूर करना चाहती है तो सपा अपनी सीट बरकरार रखने के लिए एड़ी चोटी का बल लगाए हुई है। इसके अलवा आठ अन्य लोगों ने नामांकन पत्र खरीदा है। प्रमुख विपक्षी दल बसपा से अभी तक किसी ने गैसड़ी उपचुनाव के लिए पर्चा नहीं लिया है।

इंदिरा स्टेडियम में अंतर्जनपदीय चयन ट्रायल शुरू

संवाददाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान व डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन बहराइच के आयोजन में अंतर जिला अंडर–19 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जोन टीम का चयन इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में ट्रायल के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। यह चयन प्रक्रिया तीन दिनों तक चलेगी।

ट्रायल में बहराइच जोन की बहराइच,लखीमपुर,श्रावस्ती व सीतापुर के खिलाड़ियों द्वारा ट्रायल दिया जा रहा है। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव इशरत महमूद खान ने बताया कि चयन प्रक्रिया बुधवार सुबह 10:00 बजे शुरू हुई है जो चार दिनों तक चलेगी। ट्रायल में सबसे अधिक संख्या तेज गेंदबाजों की रही। एक–एक कर खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते रहे। इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को चयनकर्ता बारीकी से समझ रहे हैं। चयन प्रक्रिया में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन बहराइच जोन टीम के लिए किया जाएगा।

ट्रायल में यूपीसीए की तरफ से ऑब्जर्वर के रूप में मो. असलम अली, स्कोरर –प्रणव कुमार व अंपायर की भूमिका में पवन यादव व देवेश शर्मा मौजूद रहे। इस दौरान डीसीए बहराइच के अध्यक्ष अमित ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शेख जहीरुद्दीन,डीसीए लखीमपुर के सचिव अभिषेक शुक्ला सहित सैकड़ों खिलाड़ी मौजूद रहे।

हीट वेव पीड़ितों के लिए बना नया वार्ड

संवाददाता–गोंडा। बढ़ती गर्मी को देखते हुए हीट वेव से पीड़ित मरीजों के लिए बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में बीस बेड का नया वार्ड बनाया गया है। नए वार्ड में मरीजों के लिए दो नए कूलर भी लगाए गए हैं। इस वार्ड में गर्मी से बीमार होने वाले मरीजों को भर्ती किया जाएगा।

घायल व्यक्तियों की मदद करने वालों को पुरस्कृत किया जाए

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने यातायात नियमों का शत–प्रतिशत पालन कराने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉटों की स्थिति एवं उन पर किये जाने वाले सुधारात्मक कार्य का निरीक्षण करें। इसके साथ ही प्रमुख मार्गों पर सड़क सुरक्षा चिन्हों, स्पीड ब्रेकर, रिफलेक्टिंग (कलर), रंबलिंग स्ट्रिप बनाये जाएं। इसके साथ ही मोड़ पर, डिवाइडर व सड़क के किनारे पेड़ों पर रिफलेक्टर टेप लगाये जाएं जिससे सड़क दुर्घटना में कमी लायी जा सके।

मधुमेह, दिल की बीमारी से बचाव के उपाय बताए

संवाददाता–गोंडा। शहर के नारी ज्ञानस्थली पीजी कालेज में बुधवार को गृह विज्ञान विभाग की ओर से मधुमेह एवं हृदयघात से बचाव विषय पर कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि व कार्डियोलॉजिस्ट डा. वरुण सिन्हा, विशिष्ट अतिथि गुरशरन कौर ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर इसका शुभारंभ किया। डा. सिन्हा ने मधुमेह एवं हृदयघात के लक्षणों, कारणों के साथ बचाव के उपाय बताए। प्राचार्या डा. आरती श्रीवास्तव, डा. आनंदिता रजत, डा. हरप्रीत कौर, रंजना बंधु, डा. सीमा श्रीवास्तव, डा.मौसमी सिंह, अंकिता सिन्हा, सुनीता मिश्रा, सुषमा सिंह, सविता मिश्रा, अतुल तिवारी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर–ट्राली की टक्कर से बाइक सवार की मौत

संवाददाता–बहराइच। बहराइच –रुपईडीहा हाईवे पर बाबागंज नहर पुलिया के पास बुधवार सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल भेज दिया है। बहराइच– रूपईडीहा हाईवे पर रुपईडीहा थाने के बाबागंज नहर पुलिया के पास बुधवार सुबह लगभग 8रू40 बजे तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉली ने विपरीत दिशा से आ रही दो बाइकों में टक्कर मार दी। जिससे एक बाइक सवार मोतीपुर थाने के लालबोझा निवासी 20 वर्षीय शिवदीन पुत्र राजेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार पयागपुर थाने के कोल्हुआ निवासी प्रेम कुमार जगदेव, शिव कुमार वर्मा घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन– फानन में घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक का शव पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है।

पीएम मोदीः अयोध्या से अंबेडकरनगर और बाराबंकी सीट भी साधेंगे पांच को करेंगे रामलला दर्शन

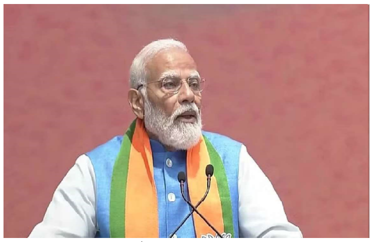

संवाददाता–अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच मई को अयोध्या धाम में रोड शो कर फैजाबाद के साथ अंबेडकरनगर और बाराबंकी संसदीय सीट को भी साधेंगे। उनके रोड शो का रूट भाजपा की ओर से तय कर दिया गया है। पांचवें चरण के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौर में पीएम मोदी रामलला के दरबार में साष्टांग दंडवत कर आशीर्वाद भी लेंगे। प्रधानमंत्री पांच मई को शाम पांच बजे के करीब विमान से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचेंगे। भाजपा के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार उनका रोड शो शाम 5.30 बजे अयोध्या धाम के लता मंगेशकर चौक से शुरू होगा। यहां से वे राम पथ पर आगे बढ़ेंगे। करीब 1.5 किमी की दूरी तय करते हुए रामजन्मभूमि पहुंचेंगे। रास्ते में पीएम का भव्य स्वागत किया जाएगा। रोड शो के दौरान पूरे रास्ते में उन पर पुष्प वर्षा की जाएगी। संत–महंतों और बटुकों की ओर से शंख ध्वनि करते हुए अगवानी की जाएगी।

अयोध्या में पीएम मोदी का यह दूसरा रोड शो होगा। इसके पहले 30 दिसंबर 2023 को भी उन्होंने रोड शो किया था। इसी के साथ महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का लोकार्पण करते हुए जनसभा को भी संबोधित किया था। भाजपा संगठन की ओर से पीएम के रोड शो की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों के साथ संत–महंतों की भागीदारी सुनिश्चित कराई जाएगी। इसके लिए मठ–मंदिरों में पार्टी नेताओं ने संपर्क शुरू कर दिया है। लोकसभा चुनाव का रण अब रोचक होने लगा है। भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व जनपद में चुनावी जनसभा कर पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने में जुट गया है। इसी क्रम में दो मई को सीतापुर संसदीय सीट की लहरपुर विधानसभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे, वहीं पांच मई को धौरहरा लोकसभा की हरगांव विधानसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम प्रस्तावित हुआ है। भाजपा के अनुसार लेंगून फील्ड पर मोदी की जनसभा होगी। यहां से भाजपा ने रेखा वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम के संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।

पुलिस खोजते रह गई आरोपियों को, फरार आरोपी हाईकोर्ट से लेते आए अरेस्ट स्टे

संवाददाता–गोरखपुर। व्यापारी से 50 लाख रुपये छीनने के मामले में फरार आरोपी चल रहे तीनों आरोपियों को उच्च न्यायालय से राहत मिल गई है। न्यायाधीश सिद्धार्थ और सुरेंद्र सिंह की बेंच ने तीनों की गिरफ्तारी पर त्वरित रोक लगा दी है। सरकारी अधिवक्ता को सात मई तक का समय दिया है। कहा है कि केस की फ्रेश फाइल लेकर कोर्ट में रखें। गोरखपुर कोर्ट में आरोपियों के अधिवक्ता राहुल तिवारी ने शनिवार को कोतवाली के पैरोकार के साथ कोर्ट में अरेस्ट स्टे दाखिल कर दिया। आरोपी दरोगा चौकी इंचार्ज के अलावा पुलिस ने तीन अज्ञात पर भी केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने तीन नामों को बढ़ाते हुए प्रचंड प्रताप सिंह, विशाल तिवारी और मुकेश को आरोपी बनाया। इनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू भी जारी किया गया था। क्राइम ब्रांच, एसओजी और सर्विलांस की टीमें इनकी गिरफ्तारी में जुटी थीं, लेकिन 27 दिनों तक इन्हें नहीं खोज सकीं। इसी बीच तीनों ने हाईकोर्ट की शरण ली और अरेस्ट स्टे हासिल किया। पैरवी कर रहे नितिन चंद्र मिश्रा की दलीलों को सुनने के बाद सरकारी वकील से भी पक्ष मांगा गया, लेकिन वे नहीं दे सके। समन चस्पा कर बयान के लिए संपर्क किया पर बयान दर्ज नहीं हो सका।

पुलिस और आयकर विभाग इसे हवाला की रकम ही मान रहे हैं। आयकर विभाग के पास जबतक नवीन श्रीवास्तव का लिखित बयान नहीं होगा, तब तक जब्त की गई रकम को आयकर विभाग अपने कब्जे में नहीं ले पाएगा। पकड़ा गया 44 लाख रुपये कोतवाली के मालखाने में पड़ा है। इधर, आयकर विभाग की तरफ से कोतवाली पुलिस को भी नवीन श्रीवास्तव को हाजिर करवाने का एक समन भेजा गया।

राहुल गांधी जितनी मर्जी उतनी चादर चढ़ा लें, लेकिन आना होगा राम की शरण में ही –अनुराग ठाकुर

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या पहुंचे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रामलला के दर्शन किए और इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "राहुल और विपक्ष जितनी मर्जी उतनी चादर चढ़ा लें, लेकिन आना उन्हें राम की शरण में ही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 500 साल के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य और ऐतिहासिक राम मंदिर का निर्माण हुआ है, लेकिन कुछ लोग अपनी ओछी राजनीति से बाज नहीं आ रहे हैं। इन लोगों को कभी अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से तकलीफ होती है, तो कभी दलित और आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाले रामनाथ कोविंद और द्रौपदी मुर्मू जैसे लोगों के राष्ट्रपति बनने से।"

उन्होंने कहा कि कुछ लोग पहले कहा करते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे, लेकिन हमने उन्हें तारीख भी बता दी और मंदिर भी बना दिया। ऐसे सभी लोगों को निमंत्रण पत्र भी भेजा गया था, लेकिन देखिए ये लोग नहीं आए, जिससे आप उनकी हताशा का अंदाजा सहज ही लगा सकते हैं।

इसके साथ ही अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कांग्रेस को एक करप्ट पार्टी बताया। उन्होंने कहा, "कांग्रेस अपना चोला बदलती रहती है। पहले यह यूपीए के नाम से लोगों के बीच में जानी जाती थी, लेकिन अब यह इंडी के नाम से जानी जाती है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग एक साल के लिए किसी नए प्रधानमंत्री तो दूसरे साल के लिए किसी दूसरे नए प्रधानमंत्री के फॉर्मूले पर काम कर रहे हैं, लेकिन उनका यह फॉर्मूला सफल नहीं होगा, क्योंकि देश की जनता इन लोगों को स्वीकार नहीं करने वाली। कांग्रेस ने हमेशा से ही लोगों को ठगने का काम किया है।

इसके साथ ही अयोध्या में मीडिया से बातचीत के दौरान अनुराग ठाकुर ने मोदी सरकार की उपलब्धियों से भी जनता को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही महिलाओं को पिछड़ेपन का प्रतीक बनाने का प्रयास किया, लेकिन जब सत्ता में हमारी सरकार की आमद हुई, तो हमने राजनीति में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का मार्ग प्रशस्त किया ताकि राजनीति में भी महिलाओं का वर्चस्व स्थापित हो सके। इसके अलावा, देशभर में 4 करोड़ पक्के मकान, 12 करोड़ शौचालय 13 करोड़ नल से जल, 10 करोड़ बहनों को रसोई गैस सिलेंडर और मुफ्त में अनाज देने का काम किया।

शादी के पांच दिन बाद दुल्हन प्रेमी के साथ हो गई फरार

संवाददाता–गोरखपुर। शादी के पांच दिन बाद ही एक दुल्हन अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर फरार हो गई। जब यह बात उसके दूल्हे को पता चली तो वह दंग रह गया। जानकारी के मुताबिक अभी युवती की विदाई नहीं हुई थी। उधर, लड़की के घर वालों ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया। जिसके बाद पुलिस दोनों की तलाश में जुट गई है।

ये मामला सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जानकारी के मुताबिक यहां की रहने वाली एक लड़की की शादी सिकरीगंज थाना क्षेत्र के एक युवक के साथ तय हुई थी। 21 अप्रैल को शुभ मुहूर्त में धूमधाम के साथ दोनों की शादी हुई। लड़की के पिता ने बताया कि उनके यहां शादी के 10 दिन बाद दुल्हन की विदाई करने का रिवाज है। सोमवार यानी 30 अप्रैल को विदाई होनी थी। इसे लेकर घर पर सारे कार्यक्रम चल रहे थे। जब परिजन युवती को लेने कमरे में पहुंचे तो वह गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद जब पता नहीं चला तो परिजन थाने पहुंचे और गांव के ही एक युवक पर भगाने का आरोप गया।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि गांव के ही विनय यादव नाम का युवक बेटी को काफी समय से परेशान करता था। जब उसे पता चला कि लड़की की शादी कहीं और तय हो गई है तो वह इससे नाराज हो गया और धमकी दी थी। उसी ने युवती को अपने साथ भगाया है। इस मामले में सीओ गीडा अनुराग सिंह ने बताया कि युवती के पिता की तहरीर के आधार पर युवक वियन यादव के खिलाफ पुलिस ने आरोपी युवक विनय यादव के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने राहुल गांधी के बयान को बताया आपत्तिजनक

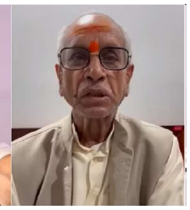

संवाददाता–अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गुजरात में दिए गए बयान पर आपत्ति जताई है और कहा कि इस तरह के बयान समाज में भेदभाव पैदा करने वाले हो सकते हैं। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी आमंत्रित किया गया था। ये बयान आपत्तिजनक, असत्य और भ्रामक है। बता दें कि राहुल गांधी ने गुजरात के गांधी नगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में इसलिए नहीं आमंत्रित किया गया था क्योंकि वो आदिवासी समाज से आती हैं। ट्रस्ट ने इस बयान पर संज्ञान लिया और सोशल मीडिया साइट एक्स पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने वीडियो संदेश देकर जवाब दिया है।

चंपत राय ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े समाज के लोगों के अलावा ऐसे गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया गया था जिन्होंने अलग–अलग क्षेत्रों में देश का सम्मान बढ़ाया है। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक लोगों को भी आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण से जुड़े मजदूरों व गरीबों को भी ट्रस्ट ने कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। सभी ने राम मंदिर के गर्भगृह में पूजन भी किया। राहुल गांधी का ये बयान भ्रामक, असत्य और आपत्तिजनक है। भगवान श्रीराम ने कभी भी अपने जीवन में किसी से भी भेदभाव नहीं किया इसलिए ट्रस्ट किसी के साथ भी भेदभाव करने का विचार नहीं रख सकता है। ट्रस्ट में संत–महात्मा भी शामिल हैं जो कि समाज के हर व्यक्ति को भगवान का रूप मानकर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का बयान समाज में भेदभाव पैदा करने वाला सिद्ध हो सकता है। इसलिए हम इस पर गंभीर आपत्ति व्यक्त करते हैं। हम लोगों को जोड़ने का काम करते हैं।

अवैध खनन में लगी ट्राली से बच्चे की दर्दनाक मौत

संवाददाता–गोरखपुर। अवैध खनन में लगी ट्राली से सबेरे 5 बजे नाबालिग अखिलेश मौर्या पुत्र रविन्द्र मौर्या निवासी रामपुर मलौली थाना खजनी चौकी महुआडाबर की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोप है कि परिवारजनों को सूचना दिए बगैर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

घटना से आक्रोशित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए बरवाडं चौराहे पर जाम लगा दिया, समझाने बुझाने पहुंचे पुलिसकर्मियों को भीड़ ने खदेड़ लिया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस टीम तैनात अन्य थानों से अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई क्षेत्राधिकारी एसडीएम एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी सक्रिय मुख्य मार्ग डायवर्ट किया गया है।

शरीर को झुलसा देने वाली धूप व लू के थपेड़ों से रोजी,रोटी का संकट

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मजदूरों के लिए मौसम कोई भी हो प्रतिकूल परिस्थितियों में काम करना मजबूरी होती है। शरीर को झुलसा देने वाली धूप व लू के थपेड़ों से रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। देश की आजादी के बाद से मजदूरों के लिए सरकार कोई भी रही हो ऐसा काम नहीं किया जिससे उनपर से संकट के बादल छंट सकें। मजदूर कितना मजबूर है इसका अंदाजा वर्तमान की चटक धूप और के थपेड़ों को देख कर लगाया जा सकता है। सुबह में ही वह अड्डे पर पहुंच कर काम की तलाश में जुट जाता है। शहर के पालिका भवन व सांडी तिराहा पर सैकड़ों मजदूर सूरज निकलने के साथ घर से पहुंच कर इस बात का इंतजार करते हैं कि कोई आएगा और उन्हें काम पर ले जाएगा। मौजूदा समय के मौसम में आधे से अधिक मजदूरों को खाली हाथ घर वापस चले जाना पड़ रहा है। तेज गर्मी की वजह से भवन स्वामी काम नहीं करा रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि शरीर को जला देने वाली धूप व लू के थपेड़ों के बीच काम कम होगा इससे मजदूरों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। अधिकांश मजदूर ऐसे हैं जो रोज कुआं खोदते हैं और उसी का पानी पीते हैं। उन्हें रोजगार नहीं मिल पाता है तो उस दिन रोटी के लाले पड़ जाते हैं। राजमिस्त्री सेवक लोधी ने कहा कि पांच दिन से काम नहीं मिला है। जहां पहले काम करता था वहां के मालिक ने यह कह कर काम बंद करा दिया है कि गर्मी कम होने पर दोबारा शुरू करेंगे। काम न मिलने पर घर का खर्च उधारी पर चलाना पड़ रहा है। सरकार ने मनरेगा से घर पर रोजगार मुहैया कराने की जो योजना बना रखी है उसका लाभ कम को ही मिल पा रहा है। ग्रामीणों के जॉबकार्ड तो बना दिए गए लेकिन काम नहीं मिल पा रहा है। मस्टररोल में जितने मजदूर दिखाए जा रहे हैं उसके आधे भी मौके पर काम करते नहीं मिलते हैं। कई बार अधिकारियों की जांच में मामला पकड़ में आने के बाद भी कम मजदूरों से काम करा कर अधिक का मस्टररोल भरने का धंधा बदस्तूर जारी है। मनरेगा में जॉब कार्ड धारकों को सौ दिन रोजगार की गारंटी दी जाती है। अगर किसी मजदूर को शत प्रतिशत काम मिल भी जाए तो बाकी बचे 265 दिन अपना और परिवार को पेट भरने के लिए पलायन करना मजबूरी बन जाती है। जिले में एक भी ऐसा उद्योग नहीं है जो 25–50 लोगों को रोजगार दे सके। मजदूरी का भी काम कम होने ऊपर से उद्योग शून्य होने से जिले का युवा महानगरों व खाड़ी देशों में पलायन करने को मजबूर रहता है। जिले के लाखों युवा देश के विभिन्न महानगरों व खाड़ी देशों में जाकर काम धंधा करने को मजबूर हो रहे हैं।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव संगठन ने निकाली बाइक रैली

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश उत्तराखंड एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन के सदस्यों ने मजदूर दिवस पर बाइक रैली निकाली। यह रैली नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए उप श्रमा युक्त कार्यालय पर पहुंच कर समाप्त हुआ। उप श्रमायुक्त कार्यालय पर मजदूरों के हक व अधिकार के लिए प्रदर्शन किया गया। इसमें मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा अन्य श्रमिक वर्ग और आमजन से संबंधित मांगे रखी गई। कार्यालय प्रांगण में ही एक सभा का आयोजन हुआ। सभा को प्रांतीय अध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य अखिलेश उपाध्याय, मनोज श्रीवास्तव, विनय गुप्ता, अध्यक्ष एसके डे व सचिव प्रवीण द्विवेदी ने संबोधित किया। इस दौरान अमित कुमार गुप्ता, संतोष कुमार, दीप्तिमान सेन गुप्ता, राजेश मिश्रा, अभिनव राय, पीयूष दूबे, एसएन शुक्ला, सीमित्र सिंह, अरविंद पांडेय उपस्थित रहे।

पीस पार्टी के प्रत्याशी गिरिवर सिंह पटेल ने दाखिल किया पर्चा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर लोक सभा चुनाव के नामांकन के तीसरे दिन बुधवार को पहला नामांकन हुआ। आज सिर्फ यही एक पर्चा दाखिल हुआ। तीसरे दिन 11 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे।

जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन पहला पर्चा दाखिल हुआ। पीस पार्टी के प्रत्याशी गिरिवर सिंह पटेल ने नामांकन किया। आज सिर्फ यही एक पर्चा दाखिल हुआ। इसके अलावा तीसरे दिन भी 11 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे। कुल 23 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई है। छह मई तक नामांकन स्वीकार किए जाएंगे।

फंदे से झूलता मिला युवक का शव

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज थानांतर्गत बढ़या निवासी संदीप कन्नौजिया ने मंगलवार की शाम परिवार के सदस्यों संग भोजन किया। इसके बाद वह पत्नी और बच्चों से अलग टीनशेड के मकान में सोने चला गया। सुबह करीब पांच बजे उसकी पत्नी और बच्चे जगे तो देखा कि उसका शव टीनशेड की पाइप से रस्सी के फंदे के सहारे लटक रहा है। बच्चों के चिल्लाने पर आसपास के लोग भी जुट गए। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने पर परिजनों ने बताया कि संदीप पहले भी दो बार आत्महत्या की कोशिश कर चुका है। गांव में पारिवारिक कलह की वजह से उसके आत्महत्या करने की चर्चा होती रही। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 1296 / 2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मो0 जलालुद्दीन
बनाम
नूरजहॉ

1. नूरजहॉ पत्नी मिन्नत अली निवासी दक्षिण दरवाजा मंगल बाजार पुरानी बस्ती रोड तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान षष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 266 / 98
जगबली
बनाम
राम कुमार

2/2/1 श्रीमती रीना पत्नी इन्द्रजीत 2/2/2 अकाश उम्र लगभग 8 साल 2/2/3 राज उम्र लगभग 5 वर्ष नावालिगान पुत्रगण इन्द्रजीत संरक्षिका श्रीमती रीना पत्नी इन्द्रजीत माता स्वयं 2/2/4 कुमारी अमृता उम्र लगभग 3 साल नावालिग पुत्री इन्द्रजीत संरक्षिका श्रीमती रीना माता खुद समस्त निवासीगण ग्राम खझौला तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–07–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 300 / 2015
अदालत–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
डब्लू
बनाम
तिलकराम आदि

1/1 श्रीमती चक्रौता उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी स्व0 तिलकराम 1/2 सन्तराम उम्र लगभग 22 वर्ष 1/3 सरजू प्रसाद उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्रगण स्व0 तिलकराम 1/4 विजय कुमार उम्र लगभग 5 वर्ष पुत्र स्व0 तिलकराम 1/5 कु0 नन्दिनी उम्र लगभग 14 वर्ष पुत्री स्व0 तिलकराम नावालिगान जरिये संरक्षिका श्रीमती चक्रौता माता हकीकी साकिनान नाथपुर पाण्डेय तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया पो0 गोपीनाथपुर जिला बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 27–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 205 / 2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
रामनवल
बनाम
रामफेर आदि

1. रामफेर पुत्र जवाहिर साकिन लगुनही तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 2. ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव पुत्र परमात्मा प्रसाद 3. श्रीमती दुर्गावती उर्फ सेवाती देवी पत्नी गनपत साकिनान एकडंगी तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 39 / 2016
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
शिवचरन
बनाम
श्रीमती शान्ती आदि

2/1 प्रकाश पुत्र रामटहल 2/2 बबलू 2/3 सोनू 2/4 देवानन्द 2/5 मोनू पुत्रगण प्रकाश 2/6 सीमा पुत्री प्रकाश निवासीगण ग्राम छपिया मंझरिया तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 16–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com